सोमवार, 9 फरवरी, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

बायकॉट विवाद पर भड़के सुनील गावस्कर

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

खुद को खोना मंज़ूर नहीं

Page-05

हाल के दिनों में देश की राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और सरकार के संबंधों को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। विपक्षी दल कई बार यह आरोप लगाते रहे हैं कि संघ का सरकार और सत्तारूढ़ दल के फैसलों पर गहरा प्रभाव है। इसी पृष्ठभूमि में संघ से जुड़े माने जाने वाले नेताओं के बयानों को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

संघ के निर्देश पर तुरंत पद छोड़ने को तैयार

राजनीतिक गलियारों में उस समय हलचल मच गई जब एक वरिष्ठ नेता ने सार्वजनिक रूप से यह बयान दिया कि यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) उनसे इस्तीफा देने को कहेगा, तो वह बिना किसी हिचक या देरी के तुरंत अपने पद से त्यागपत्र दे देंगे। नेता के इस बयान को संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और अनुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है, वहीं विपक्ष इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल के रूप में पेश कर रहा है।एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए नेता ने कहा कि वह संघ को केवल एक संगठन नहीं, बल्कि अपनी वैचारिक प्रेरणा और मार्गदर्शक मानते हैं। उनके अनुसार, "संघ ने मुझे जो संस्कार दिए हैं, वही मेरी राजनीति की नींव हैं। यदि संघ यह महसूस करता है कि मुझे पद पर नहीं रहना चाहिए, तो मैं उसी क्षण इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।" इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।विपक्षी दलों ने इस बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति यदि किसी संगठन के निर्देश पर इस्तीफा देने की बात करता है, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। विपक्ष का आरोप है कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार और संगठन के बीच स्पष्ट दूरी नहीं है।वहीं सत्तारूढ़ दल के नेताओं और समर्थकों ने इस बयान का बचाव किया है। उनका कहना है कि यह वक्तव्य अनुशासन, नैतिकता और वैचारिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समर्थकों के मुताबिक, नेता ने यह बात स्वेच्छा से कही है और इसमें किसी तरह का दबाव नहीं है। उनका मानना है कि संघ से प्रेरित रहना और संविधान के तहत कार्य करना, दोनों में कोई विरोधाभास नहीं है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब संगठन और राजनीति के संबंधों को लेकर पहले से ही बहस चल रही है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह बयान समर्थकों को एकजुट करने और संगठन के प्रति भरोसा जताने का प्रयास भी हो सकता है। वहीं कुछ का मानना है कि इससे आने वाले दिनों में राजनीतिक विवाद और गहरा सकता है। फिलहाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, राजनीतिक माहौल में इस कथन ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

'आरएसएस प्रमुख किसी जाति का नहीं, केवल हिंदू होगा',

मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संगठन की वैचारिक सोच को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख किसी एक जाति या वर्ग का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह केवल हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व करता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है।मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि संघ की सोच जाति आधारित पहचान से ऊपर है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "आरएसएस प्रमुख किसी जाति का नहीं होता। उसकी पहचान केवल हिंदू के रूप में होती है, क्योंकि संघ हिंदू समाज की एकता और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि संघ समाज को जोड़ने का काम करता है, न कि बांटने का।संघ प्रमुख ने आगे कहा कि जाति व्यवस्था समाज की एक ऐतिहासिक सच्चाई रही है, लेकिन संघ का प्रयास हमेशा सामाजिक समरसता और एकता को मजबूत करने का रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की ताकत उसकी विविधता में है|

हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत राजू दास ने स्वामी प्रसाद मौर्य को दी जान से मारने की धमकी

हनुमानगढ़ी अयोध्या के वरिष्ठ महंत राजू दास ने अपने हालिया बयान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ बेहद भड़काऊ टिप्पणी की है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भारी उबाल आ गया है। महंत राजू दास ने कहा कि यदि वे गृहस्थ होते, तो वे लाइसेंस बनवाकर मौर्य के सीने में गोली मार देते, आरोप लगाते हुए कि मौर्य ने हिंदुओं का अपमान किया।यह विवाद तब शुरू हुआ जब महंत ने मैनपुरी में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मंच से मौर्य पर तीखी टिप्पणियाँ कीं और अपने गुस्से का इजहार करते हुए यह हिंसक बयान दे दिया। महंत ने कहा कि वे संत हैं और माला जपते हैं, लेकिन यदि गृहस्थ होते तो ऐसे कदम उठाने से पीछे नहीं हटते।स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिलहाल इस बयान पर सीधा जवाब नहीं दिया है, लेकिन राजनीतिक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे बयान सामाजिक सद्भाव और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा हो सकते हैं।मामले ने अब राजनीतिक और धार्मिक बहस को जन्म दे दिया है, जिससे प्रशासन को सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सतर्क रहने की जरूरत है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर RJD ने किया बचाव, कहा, कहा–जनता की आवाज दबाने की कोशिश

पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर बिहार की राजनीति गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने खुलकर पप्पू यादव के समर्थन में मोर्चा संभालते हुए उनकी गिरफ्तारी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। RJD नेताओं ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार देते हुए कहा कि पप्पू यादव बिहार के ऐसे नेता हैं, जो हमेशा आम जनता की आवाज बने हैं और यही बात सत्ता पक्ष को खटक रही है।RJD प्रवक्ताओं ने बयान जारी कर कहा कि पप्पू यादव कोई साधारण नेता नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति का अनोखा चेहरा हैं, जिन्होंने हर संकट में जनता के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया है। पार्टी का कहना है कि जब-जब पप्पू यादव ने बेरोजगारी, महंगाई, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया, तब-तब उन्हें दबाने की कोशिश की गई।RJD ने सवाल किया कि आखिर गिरफ्तारी की टाइमिंग क्या दर्शाती है और क्या यह कार्रवाई निष्पक्ष है। पार्टी नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में असहमति और सवाल उठाना अपराध नहीं हो सकता। अगर कोई नेता जनता के हक की बात करता है, तो उसे जेल भेजने की बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए।पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए प्रशासन का दुरुपयोग कर रही है।

दरभंगा में बच्ची से दुष्कर्म और हत्या पर उबाल, सड़क जाम कर किया प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

बिहार के दरभंगा जिले में 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और निर्मम हत्या की दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूरे इलाके में भारी आक्रोश देखने को मिला। इस जघन्य अपराध से नाराज स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गुस्साए लोगों ने मुख्य सड़क को जाम कर दिया और बीच सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया, जिससे इलाके में आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया और घंटों तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, सामाजिक संगठन और पीड़ित परिवार के परिजन मौके पर जुट गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि घटना के बाद पुलिस ने शुरुआत में गंभीरता नहीं दिखाई, जिससे लोगों का आक्रोश और भड़क गया। लोगों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले की सुनवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान महिलाएं और युवा भी बड़ी संख्या में शामिल रहे।स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। पुलिस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हालांकि भीड़ की उग्रता को देखते हुए पुलिस को कुछ समय के लिए पीछे हटना पड़ा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक और कहासुनी भी हुई, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं इलाके में पहले भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन समय पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि जब तक दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिलेगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए।घटना के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और दोषियों की पहचान कर ली गई है। अधिकारियों के अनुसार, विशेष जांच टीम का गठन किया गया है और हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है। इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। कई जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए राज्य सरकार से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। विपक्षी दलों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा है, जबकि सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।समाजसेवियों और बाल अधिकार संगठनों ने भी इस घटना पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि राज्य में बच्चों की सुरक्षा को लेकर ठोस और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने स्कूलों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

अपने ही समुदाय को निशाना बना रहा ISIS,

इस्लामाबाद में ब्लास्ट की जिम्मेदारी

इस हमले ने न केवल साम्प्रदायिक तनाव को बढ़ाया है, बल्कि दक्षिण एशिया में स्थिरता और सुरक्षा चुनौतियों के बारे में गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं।विश्लेषकों के अनुसार, यह हमला पाकिस्तान में उभरते साम्प्रदायिक आतंकवाद के खतरे को दर्शाता है और यह संकेत है कि IS जैसे समूहों का लक्ष्य अब स्थानीय मुस्लिम समुदायों के भीतर फूट डालना है, जिससे सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया जा सके।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार को हुई शिया मस्जिद में आत्मघाती बम धमाके की जिम्मेदारी वैश्विक आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (ISIS/ISPP) ने स्वीकार कर ली है, जिससे पूरे देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता की लहर दौड़ गई है। इस दर्दनाक हमले ने साम्प्रदायिक ताने-बाने को झकझोर दिया है और यह हमला इसी शिया समुदाय को निशाना बनाकर किया गया, जिसे संगठन ने अपनी "वैचारिक प्रतिद्वंद्विता" का एक लक्ष्य बताया है।यह हमला इस्लामाबाद के तरलई कलां क्षेत्र में स्थित खदीजा अल-कुब्रा इमामबाड़ा मस्जिद में शुक्रवार की जुमे की नमाज़ के दौरान हुआ। घायलों की संख्या 170 से अधिक बताई गई है, जबकि कम से कम 36 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं — जिनमें कई अस्पताल में गंभीर रूप से घायल मरीजों की मौत के बाद यह आंकड़ा बढ़ा। यह राजधानी में 2008 के मारियट होटल बम हमले के बाद सबसे भयानक आतंक घटना है।घटना के कुछ मिनटों पहले कहा जा रहा है कि सुरक्षा कर्मियों ने हमलावर की तरफ गोलीबारी की, लेकिन आख़िरकार उसने अपने साथ रखे विस्फोटकों को मस्जिद के अंदर ज़मीन के करीब ही सक्रिय कर दिया, जिससे तीव्र धमाका हुआ और भीड़ में हाहाकार मच गया। कई प्रेक्षकों ने बताया कि ज़मीन पर कई शव और घायल लोग तड़पते दिखे।आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट इन पाकिस्तान प्रांत (ISPP) ने अपने प्रचार माध्यम अमाक न्यूज़ एजेंसी के ज़रिये बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि यह हमला उनके "सैन्य अभियानों" का हिस्सा है। संगठन का दावा है कि उसने शिया समुदाय को "वैचारिक विरोधी और दुश्मन" मानते हुए इस तरह का निशाना चुना है।पाकिस्तानी अधिकारियों ने हमले को न केवल आंतरिक सुरक्षा की विफलता करार दिया है, बल्कि कहा गया है कि यह आतंकियों की "समूहबद्ध साजिश" का परिणाम है। पुलिस ने पहले ही चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है, और जांच जारी है।घटना के बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने कड़ी निंदा की है और दोषियों को कठोर कानूनी कार्रवाई का सामना कराने का वादा किया है। वहीं चीन ने इस हमले की निंदा करते हुए पाकिस्तान के प्रति अपनी समर्थन प्रतिबद्धता दोहराई है। इस्लामाबाद के स्थानीय समुदाय में शोक और डर का माहौल है, जहाँ पीड़ित परिवारों के लिये सहायता कार्यक्रम चल रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया गया है।

क्या भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है?

अमेरिकी प्रशासन ने शनिवार 7 फरवरी को यह घोषणा की है कि भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर लगाया गया 25% पेनाल्टी हटा दिया गया है. साथ ही भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर भी टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया गया है. अमेरिकी प्रशासन का यह फैसला सुनने में तो बहुत बड़ी जीत की तरह प्रतीत होता है, लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या टैरिफ हटने के पीछे महज भारत की कूटनीति है? यह सवाल इसलिए भी बहुत लाजिमी हो जाता है, क्योंकि व्हाइट हाउस के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में यह बताया गया है कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है, जबकि भारत–अमेरिका ट्रेड डील के बाद संयुक्त बयान में इस तरह की कोई बात नहीं कही गई है. भारत–अमेरिका ट्रेड डील के बाद भी ऐसा कोई बयान संयुक्त रूप से जारी नहीं हुआ है. ऐसे में अमेरिकी प्रशासन का यह कहना कि भारत ने वादा किया है, संशय खड़े करता है. भारत सरकार की ओर से लगातार यह बयान सामने आया है कि रूस से तेल खरीदने पर फैसला बाजार और देश के नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा. 2023 में रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था और 2025 में भी यह शीर्ष सूची में है, हालांकि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने के आंकड़े को देखें, तो यह जरूर कहा जा सकता है कि दिसंबर 2025 में तेल आयात अपने निचले स्तर पर रहा है.

U-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम इंडिया की वतन वापसी, हुआ ग्रैंड वेलकम

6 ग्रहों की कतार मुश्किल से दिखता है ये नजारा

इस साल 28 फरवरी 2026 की शाम खगोल प्रेमियों के लिए एक बेहद खास और दुर्लभ दृश्य देखने को मिलेगा। पृथ्वी से आकाश की ओर देखने पर छह ग्रह — बुध, शुक्र, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेप्च्यून — लगभग एक ही सीधी रेखा में दिखाई देंगे। खगोलविद इसे "प्लैनेट परेड" या ग्रहों की कतार कहते हैं। यह दृश्य सूर्यास्त के तुरंत बाद पश्चिम-दक्षिण-पश्चिमी क्षितिज के पास करीब 30 मिनट से 90 मिनट तक देखा जा सकेगा।विशेषज्ञों के अनुसार, यह वास्तव में ग्रहों का वास्तविक भौतिक संरेखण नहीं है, बल्कि पृथ्वी से देखने पर ऐसा प्रतीत होगा कि सभी ग्रह लगभग एक ही पथ में हैं। इस प्रकार का दृश्य हर साल नहीं दिखाई देता और इसे देखने का मौका खगोल प्रेमियों के लिए बेहद दुर्लभ माना जाता है।इस कतार में चार ग्रह — बुध, शुक्र, शनि और बृहस्पति — को बिना किसी उपकरण के नंगी आंखों से देखा जा सकता है, यदि आसमान साफ़ हो और प्रकाश प्रदूषण कम हो। वहीं, यूरेनस और नेप्च्यून बहुत हल्के और कम चमक वाले हैं, इसलिए इन्हें देखने के लिए दूरबीन या छोटे टेलीस्कोप की आवश्यकता होगी। खगोल विज्ञानियों का कहना है कि अगर कोई सही दिशा और समय का ध्यान रखे,

तो यह दृश्य बेहद शानदार और यादगार रहेगा।विशेषज्ञों ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और इसे देखने के लिए शहर की रोशनी से दूर किसी खुली जगह का चयन करें। उन्होंने कहा कि बच्चों और परिवार के साथ यह नजारा देखने का अनुभव बेहद रोचक और शैक्षिक भी होगा।ग्रहों की इस कतार की घटना वैज्ञानिकों और खगोल प्रेमियों के लिए जानकारी का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इससे ग्रहों की गति, उनकी चमक और आकाशीय संरेखण का अध्ययन करने का मौका मिलता है। खगोल वैज्ञानिक इसे साल की सबसे सुंदर खगोलीय घटनाओं में से एक मानते हैं।

Pakistan के पूर्व PM इमरान और पत्नी बुशरा को 17-17 साल की सख्त सजा

पाकिस्तान की राजनीति से एक बड़ी खबर आ रही है जहाँ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने दोनों को 17-17 साल की लंबी सजा सुनाई है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में बनी एक स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। जज ने दोनों को अलग-अलग धाराओं में कुल 17 साल की सजा दी है। साथ ही, उन पर 1 करोड़ 64 लाख पाकिस्तानी रुपये का भारी जुर्माना भी ठोका गया है। हालांकि, बुशरा बीबी के महिला होने के नाते सजा में थोड़ी नरमी की बात कही गई है, लेकिन सजा फिर भी काफी सख्त है। यह पूरा मामला 2021 का है, जब सऊदी अरब की सरकार ने इमरान खान को कुछ महंगे तोहफे दिए थे। इसमें कीमती घड़ियाँ, हीरे और सोने के गहने शामिल थे। नियम कहता है कि सरकारी ओहदे पर रहते हुए विदेशी नेताओं से जो भी गिफ्ट मिलते हैं, उन्हें 'तोशाखाना' (सरकारी खजाने) में जमा करना पड़ता है। आप चाहें तो तय कीमत चुकाकर उन्हें बाद में खरीद भी सकते हैं। अब इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर आरोप यह है कि इन तोहफों की असली कीमत करीब 7 करोड़ रुपये थी, लेकिन कागजों पर इन्हें सिर्फ 58-59 लाख का दिखाया गया। कहा जा रहा है कि इन दोनों ने मिलकर बहुत कम कीमत पर ये कीमती चीजें हथियाने की कोशिश की। अदालत में 21 गवाहों ने अपनी बात रखी। फैसले के वक्त इमरान और बुशरा दोनों वहां मौजूद थे। इमरान खान का साफ कहना है कि ये सब उनके खिलाफ एक राजनीतिक साजिश है और उन्हें फंसाया जा रहा है। इमरान खान अगस्त 2023 से ही सलाखों के पीछे हैं। हालांकि उन्हें कुछ मामलों में पहले जमानत मिल चुकी थी, लेकिन अब इस नए फैसले ने उन्हें फिर से मुश्किल में डाल दिया है। उनके पास अब सिर्फ एक रास्ता बचा है—हाईकोर्ट में अपील करना। फिलहाल उनकी जेल की हालत को लेकर संयुक्त राष्ट्र (UN) ने भी चिंता जताई है।

मलेशिया दौरे पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी से मिले PM मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कुआलालंपुर में आजादी के नायक रहे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी और भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA) यानी आजाद हिंद फौज के वेटरन जयराज राजा राव से मुलाकात की। उन्होंने INA के असाधारण साहस, विरासत और बलिदान के लिए सभी भारतीयों की ओर से आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, "हम नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के बहादुर महिलाओं-पुरुषों के प्रति हमेशा ऋणी रहेंगे, जिनके पराक्रम ने भारत के भाग्य को आकार दिया।" पीएम मोदी ने कहा कि INA वेटरन राव से हुई मुलाकात को शानदार बताया। उन्होंने लिखा कि राव से मिलना "बहुत खास" था। "उनका जीवन अपार साहस और बलिदान से भरा है। उनका अनुभव सुनना बहुत प्रेरणादायक था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने "INA के असाधारण साहस, विरासत और बलिदान के लिए सभी भारतीयों की ओर से आभार" व्यक्त किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सितंबर 1943 में कुआलालंपुर के सेलांगोर पैडांग (Dataran Merdeka या इंडिपेंडेंस स्क्वायर) में

हजारों अनुयायियों को जोशीला संबोधन दिया था, जिसने कई युवाओं को भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। वेटरन जयराज राजा राव भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल होकर उनके साथ काम किया और देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मोदी दो दिवसीय मलेशिया दौरे पर हैं, जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा एवं सुरक्षा, सेमीकंडक्टर और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए कई नई पहलें शुरू कीं।

संपादक की कलम से

भारत और मलेशिया के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से लंबे समय से मजबूत रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में इन रिश्तों ने एक नए रणनीतिक आयाम में प्रवेश किया है। बदलते वैश्विक परिदृश्य, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियाँ और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं के बीच भारत–मलेशिया संबंध अब केवल द्विपक्षीय व्यापार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि रणनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। यह नया अध्याय दोनों देशों के लिए साझा विकास, क्षेत्रीय स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख का प्रतीक बनता जा रहा है। भारत और मलेशिया के बीच संबंध सदियों पुराने हैं, जिनकी जड़ें व्यापार, संस्कृति और लोगों के आपसी संपर्क में निहित हैं। मलेशिया में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु का काम करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से दोनों देशों ने लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और बहुपक्षीय सहयोग को प्राथमिकता दी है। समय के साथ यह साझेदारी अब एक परिपक्व और बहुआयामी संबंध में बदल चुकी है। हाल के उच्चस्तरीय दौरों और द्विपक्षीय बैठकों ने भारत–मलेशिया संबंधों को नई दिशा दी है। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देश अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेषकर UNCLOS, के पालन पर जोर देते हैं। दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक, मुक्त, खुला और नियम-आधारित क्षेत्रीय ढांचे के लिए भारत और मलेशिया की सोच काफी हद तक समान है।आर्थिक मोर्चे पर भारत और मलेशिया के संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है और दोनों देश इसे और विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप्स, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ हैं। भारत की "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" पहल तथा मलेशिया की औद्योगिक क्षमताएँ एक-दूसरे के पूरक बन सकती हैं। इसके अलावा, शिक्षा, कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है। भारतीय आईटी पेशेवरों और स्वास्थ्य सेवाओं की मलेशिया में मजबूत उपस्थिति है, वहीं मलेशियाई निवेशक भारत के तेजी से बढ़ते बाजार को अवसर के रूप में देख रहे हैं। भारत–मलेशिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहलू आतंकवाद के खिलाफ साझा दृष्टिकोण है। दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है और इसके किसी भी रूप को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भारत ने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाई है और मलेशिया ने भी इस रुख का समर्थन किया है। द्विपक्षीय वार्ताओं में इस बात पर स्पष्ट सहमति बनी है कि आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के खिलाफ कोई समझौता नहीं होगा। आतंकवादी संगठनों को पनाह देने, वित्तपोषण करने या राजनीतिक समर्थन देने वाली मानसिकता को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर किया जाएगा। यह साझा संकल्प न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देता है, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

संसद की गरिमा को बचाने की ज़रूरत

हाल ही में लोकसभा में हुए अभूतपूर्व हंगामे ने संसदीय मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है, जहाँ प्रधानमंत्री को भी सदन को संबोधित करने से रोका गया, जो नेहरू-वाजपेयी द्वारा स्थापित संवाद की परंपरा के क्षरण और लोकतंत्र के लिए एक निराशाजनक संकेत है।

प्रो. संजय द्विवेदी

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मर्यादाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मर्यादाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है। इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मर्यादाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं। दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन करके हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मर्यादाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे। संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

भारतीय न्यायपालिका में बड़ा बदलाव, अब आपको मातृभाषा में मिलेगा न्याय

आमजन को उनकी अपनी भाषा में न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में देश की न्यायपालिका बड़ा कदम उठाने जा रही है। भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (National Judicial Academy) में आयोजित उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बहुभाषी डिजिटल ज्यूडिशियल प्लेटफॉर्म (Multilingual digital platform) विकसित करने पर सहमति बनी। सम्मेलन की अगुवाई मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत (CJI Surya Kant) एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों ने की। मंथन के दौरान यह बात प्रमुखता से सामने आई कि देश की बड़ी आबादी भाषा संबंधी बाधाओं के कारण न्यायिक प्रक्रिया से पूरी तरह जुड़ नहीं पाती। इसे दूर करने के लिए अदालतों के डिजिटल सिस्टम को बहुभाषी बनाया जाएगा, ताकि याचिकाकर्ता केस से जुड़ी जानकारी, आदेश, नोटिस और सुनवाई विवरण अपनी मातृभाषा में समझ सकें मुख्य न्यायाधीशों ने यूनिफाइड, एफिशिएंट और पीपुल-सेंट्रिक ज्यूडिशियरी के विजन के तहत न्याय को भाषाई व भौगोलिक सीमाओं से मुक्त करने का संकल्प लिया। यह पहल न्यायपालिका को लोगों के करीब और सुलभ न्याय की अवधारणा को मजबूत करेगी। सम्मेलन में माना गया कि तकनीक के समुचित उपयोग से न्यायिक प्रक्रियाएं न सिर्फ पारदर्शी होंगी, बल्कि आमजन का भरोसा भी बढ़ेगा। वैकल्पिक विवाद निपटान प्रणाली को भी बहुभाषी डिजिटल सपोर्ट से जोड़ा जाएगा, ताकि छोटे मामलों का त्वरित समाधान हो सके।

यह होंगे प्रमुख प्रावधान

- ई-कोर्ट पोर्टल और मोबाइल प्लेटफॉर्म बहुभाषी किए जाएंगे।
- केस स्टेटस, आदेश व नोटिस क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होंगे।
- वर्चुअल सुनवाई में रियल-टाइम भाषा अनुवाद तकनीक पर काम।

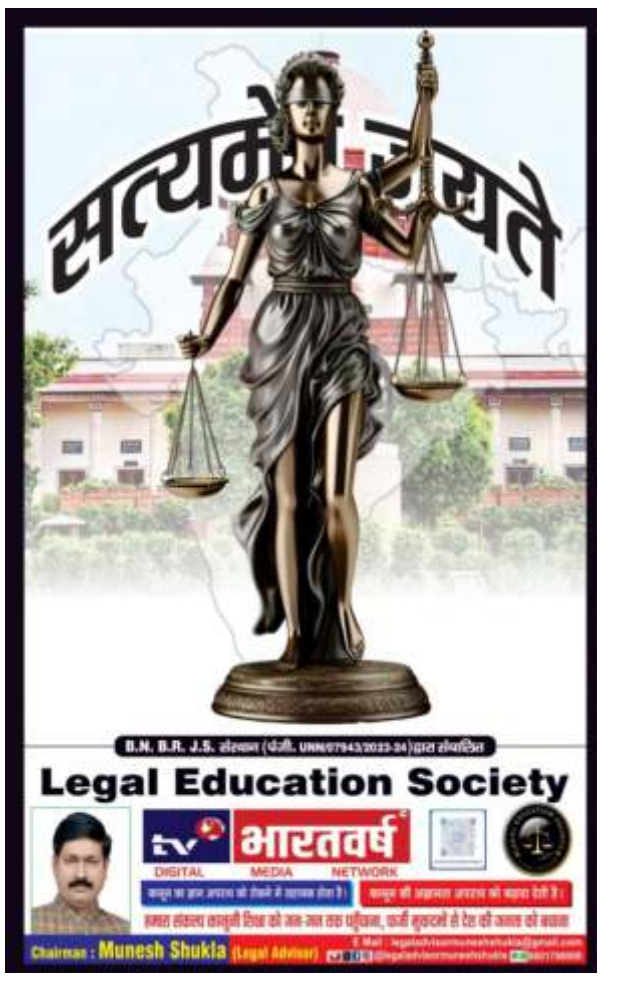

इग्नू से एमबीए करने का मौका जान लें कोर्स से जुड़ी अन्य जरूरी जानकारी

एमबीए के तहत मैनेजमेंट के कई प्रमुख फील्ड शामिल किए गए हैं। इनमें फाइनेंस, मार्केटिंग, ह्यूमन रिसोर्स, ऑपरेशंस और लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। 2026 सेशन के लिए एमबीए कोर्स में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो छात्र नौकरी के साथ पढ़ाई करना चाहते हैं या नियमित कॉलेज नहीं जा सकते, उनके लिए यह मौका खास हो सकता है। यह एमबीए कोर्स विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (SOMS) के तहत ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड में चलेगा। अगर आपने किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से कम से कम तीन साल की ग्रेजुएशन डिग्री पूरी की है, तो आप आवेदन के योग्य हैं। आधिकारिक वेबसाइट ignou.ac.in से आवेदन किया जा सकता है। एमबीए के तहत मैनेजमेंट के कई प्रमुख फील्ड शामिल किए गए हैं। इनमें फाइनेंस, मार्केटिंग, ह्यूमन रिसोर्स, ऑपरेशंस और लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। कोशिश यही है कि छात्रों को असली कारोबारी दुनिया की समझ मिले। स्टडी मटेरियल को भी समय-समय पर अपडेट किया गया है ताकि बदलते बाजार और नई व्यवस्थाओं के मुताबिक पढ़ाई हो सके। इस कोर्स की सबसे बड़ी खासियत है कि छात्र अपनी गति से पढ़ाई कर सकते हैं। कामकाजी प्रोफेशनल, छोटे उद्यमियों या पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण नियमित कॉलेज नहीं जा पाने वाले छात्रों के लिए यह ऑप्शन उपयोगी साबित हो

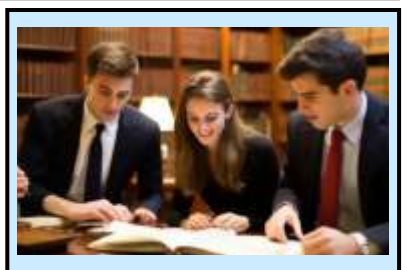

ईवनिंग, पार्ट-टाइम या ऑनलाइन एलएलबी से वकालत नहीं, बीसीआई ने 2000-01 के बाद की डिग्रियों पर दोहराया प्रतिबंध

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक सत्र 2000-2001 से ईवनिंग, पार्ट-टाइम, नाइट स्कूल, वीकेंड, हॉलिडे, ऑनलाइन या डिस्टेंस मोड से हासिल एलएलबी डिग्री अधिवक्ता के रूप में नामांकन के लिए मान्य नहीं हैं। केंद्रीय विधि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। बीसीआई के अनुसार, पहले 'लीगल एजुकेशन रूल्स, 1989' के तहत दिल्ली और कुछ अन्य राज्यों में कुछ विश्वविद्यालयों व कॉलेजों को ईवनिंग एलएलबी कोर्स चलाने की अनुमति थी, बशर्ते वे तब के मानकों का पालन करें। लेकिन 'लीगल एजुकेशन रूल्स, 1999' के तहत 2000-2001 सत्र से सभी राज्यों में ईवनिंग एलएलबी कोर्स की मान्यता समाप्त कर दी गई। यह स्थिति वर्तमान 'लीगल एजुकेशन रूल्स, 2008' में भी बरकरार है, जिसमें एलएलबी को नियमित, फुलटाइम प्रोफेशनल कोर्स माना गया है। इसमें रोजाना और साप्ताहिक कक्षाएं, न्यूनतम उपस्थिति और सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक की शिक्षण विंडो अनिवार्य है। इसलिए, 2000-2001 के बाद ऐसे किसी भी मोड की डिग्री वाले उम्मीदवार अधिवक्ता के रूप में नामांकन नहीं करा सकते।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 | IND vs PAK महामुकाबले पर सस्पेंस: पाकिस्तान को लाहौर पहुंचाएंगे BCB अध्यक्ष, क्या बोलेगा बहिष्कार का संकट?

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 4-0 से हराया, खिताब पर किया कब्जा

भारत की अंडर-17 टीम ने शनिवार को यहां खेले गए दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में बांग्लादेश को 4-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। कप्तान जुलान नोंगमैथेम ने 42वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद एलिजाबेथ लकरा (63वें मिनट), पर्ल फर्नांडीस (68वें मिनट) और स्थानापन्न खिलाड़ी अनविता रघुरामन (83वें मिनट) के गोल से टीम ने प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ राउंड-रॉबिन में मिली 0-2 की हार का बदला पूरा किया। भारत ने इस साल के अंत में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारियों के तहत अपनी अंडर-17 महिला टीम को सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भेजा था।

'पाकिस्तान को हमने इतने मौके दिए, लेकिन उन्होंने...', बायकॉट विवाद पर भड़के सुनील गावस्कर

सुनील गावस्कर ने भारत और पाकिस्तान के बीच खेल रिश्तों में असंतुलन को लेकर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान को मौका दिया, लेकिन बदले में वही व्यवहार नहीं मिला. यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला किया है. भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने भारत और पाकिस्तान के बीच खेल और सांस्कृतिक रिश्तों को लेकर लंबे समय से चली आ रही असमानता की ओर इशारा किया है. उनका मानना है कि पाकिस्तान हमेशा भारत से पहल की उम्मीद करता है, लेकिन बदले में वही रवैया नहीं दिखाता. आजतक को दिए एक खास इंटरव्यू में गावस्कर ने कहा कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं. चाहे वह IPL हो या कमेंट्री पैनल. लेकिन पाकिस्तान की ओर से ऐसा जवाबी व्यवहार बहुत कम देखने को मिला है.

गावस्कर ने कहा, 'हमने तो पहले ही शुरुआत कर दी थी. 2008 में IPL शुरू हुआ और तब लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी थे. हमारे यहां पाकिस्तानी कमेंटेटर भी रहे हैं. पाकिस्तान हमेशा चाहता है कि भारत उन्हें बुलाए, लेकिन बदले में हमने कभी वैसा कुछ देखा नहीं. यह तब की बात है, जब हालात आज जैसे भी नहीं थे. पाकिस्तान की तरफ से शायद ही कभी ऐसा कुछ हुआ हो.' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे कितने गायक, कितने फिल्मी सितारे हैं जिन्हें पाकिस्तानी फिल्मों में काम करने का मौका मिला? हमेशा पहला कदम भारत ही उठाता है. जब लोग बुली करने की बात करते हैं, तो हम किसी को नहीं दबा रहे. हम बस अपना काम कर रहे हैं और अपने हाल में हैं.' गावस्कर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले अहम ग्रुप मैच के बहिष्कार का फैसला किया है. यह मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाना है. गावस्कर पहले भी इस फैसले की आलोचना कर चुके हैं और उनका कहना है कि यह फैसला खेल से ज्यादा राजनीति से जुड़ा हुआ है. पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि वह वर्ल्ड कप में खेलेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैदान में नहीं उतरेगा. इसकी वजह बताई गई बांग्लादेश के समर्थन में एकजुटता, जिसे ICC ने सुरक्षा कारणों के चलते हटाकर स्कॉटलैंड को शामिल किया था.

रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने नेपाल को 4 रन से हराया, उलटफेर होते-होते रह गया

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 5वां मुकाबला इंग्लैंड और नेपाल के बीच खेला गया. जिसमें इंग्लैंड की टीम ने केवल 4 रन से जीत हासिल की. ये मुकाबला आखिरी गेंद तक गया. ये मैच मुंबई के वानखेड़े मैदान पर हुआ. इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था. इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 184 रन बनाए थे. लेकिन नेपाल ने आखिरी गेंद तक लड़ाई लड़ी और केवल 4 रन से शिकस्त पाई. आखिरी दो ओवर यानी 12 गेंदों में नेपाल को जीत के लिए 24 रनों की दरकार थी. 19वें ओवर में वुड की पहली गेंद पर चौका पड़ा और फिर लगातार दो वाइड गई. 185 रनों के जवाब में उतरी नेपाल की शुरुआत बेहद शानदार रही. पहला झटका चौथे ओवर में लगा जब आशिफ शेख का विकेट गिरा. तब नेपाल का स्कोर 37 रन

था. इसके बाद 42 के स्कोर पर कुशल आउट हो गए. लेकिन इसके बाद रोहित पोडैल और दीपेंद्र सिंह के बीच अच्छी साझेदारी हुई. दोनों ने नेपाल का स्कोर 12वें ओवर में ही 100 के पार पहुंचा दिया. लेकिन ये साझेदारी टूटी 15वें ओवर में जब 124 के स्कोर पर दीपेंद्र सिंह का विकेट गिरा. इसके बाद रोहित पर बड़ी जिम्मेदारी थी. लेकिन 16वें ओवर में रोहित का भी विकेट गिर गया.

अमेरिकी राष्ट्रपति की करते हैं हू-ब-हू नकल

'चाइनीज़ ट्रंप' का अनोखा अंदाज़

चीनी नागरिक रयान चेन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं. इननमें वह ट्रंप की नकल करते दिखाई देते हैं. बोलने का लहजा, हाथों के इशारे, बॉडी लैंग्वेज सब कुछ ट्रंप से हैरान कर देने वाली हद तक मेल खाता है.

इन्हें यूएस का वीजा भी मिल चुका है (Photo:Insta/trumpbyryan and Reuters)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहते हैं. उनके फैसले हों या बयान, दुनिया भर में हलचल मच जाती है.

कई बार लोग फिक्रमंद हो जाते हैं कि आज ट्रंप क्या नया कदम उठा देंगे. उनकी नीतियों को लेकर आलोचना भी होती है और सोशल मीडिया पर उनकी मिमिक्री भी जमकर वायरल रहती है. ऐसे ही माहौल के बीच इन दिनों इंटरनेट पर 'चाइनीज ट्रंप' नाम से मशहूर एक शख्स का वीडियो धूम मचा रहा है, जो हू-ब-हू ट्रंप के अंदाज में बात करता नजर आता है. लोगों के मन में सवाल है कि आखिर ये शख्स कौन है? इस शख्स का नाम रयान चेन है और वह चीन के चोंगकिंग शहर से ताल्लुक रखते हैं. सोशल मीडिया पर उनके कई वीडियो वायरल हो चुके हैं, जिनमें वह ट्रंप की नकल करते दिखाई देते हैं. बोलने का लहजा, हाथों के इशारे, बॉडी लैंग्वेज सब कुछ ट्रंप से हैरान कर देने वाली हद तक मेल खाता है. हां, चेहरे-मोहरे में थोड़ा फर्क जरूर है, लेकिन अंदाज ऐसा कि लोग एक पल को ठिठक जाते हैं. ⊙

वायरल: 'क्या मैं पाक से हूं?'

कश्मीर की डल झील से जुड़ा एक हल्का-फुल्का लेकिन असरदार वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक कश्मीरी शिकारा नाविक ने पर्यटक को ऐसा जवाब दिया कि लोग उसकी समझदारी और हाजिरजवाबी की तारीफ करते नहीं थक रहे. वीडियो में देख सकते हैं कि डल झील में शिकारा चला रहा एक नाविक टूरिस्ट से सामान्य बातचीत करता है. बातचीत के दौरान नाविक टूरिस्ट से पूछता है कि वह कहां से आया है. ⊙

सरकारी सेवाएं पूरी तरह हैं डिजिटल

भारतीय ने बताया क्यों सिंगापुर में ज़िंदगी है बिल्कुल अलग?

भारत से सिंगापुर शिफ्ट होने के बाद वहां की जिंदगी कितनी बदल जाती है, इसका एक सच्चा और आसान उदाहरण सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

सिंगापुर में काम कर रहे सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर अमन ने एक वीडियो के जरिए बताया कि विदेश जाना सिर्फ नई जगह पर रहना नहीं होता, बल्कि सोच, आदतों और रोजमर्रा की लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव लेकर आता है. अपने इस वीडियो में उन्होंने सिंगापुर में मिले चार बड़े "कल्चर शॉक" शेयर किए, जिनसे भारत और सिंगापुर के बीच का फर्क साफ नजर आता है. ⊙

कोलंबियाई सिंगर जिमेनेज की विमान हादसे में गई जान

जैसा देखा सपना, उसी तरह हुई मौत

कोलंबिया के मशहूर पॉप सिंगर येइसन जिमेनेज की 34 साल की उम्र में विमान हादसे में दुखद मौत हो गई.

चौंकाने वाली बात यह है कि हादसे से कुछ ही हफ्ते पहले उन्होंने सपने में अपनी मौत और विमान दुर्घटना देखी थी, जिसे उन्होंने पहले ही एक टीवी इंटरव्यू में शेयर किया था.

कोलंबिया के मशहूर पॉप सिंगर येइसन जिमेनेज की मौत से जुड़ी एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली कहानी सामने आई है. 34 साल की उम्र में उनकी एक विमान हादसे में मौत हो गई, लेकिन इस हादसे से कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने सपने में अपनी मौत देखी थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को एक छोटा विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस हादसे में येइसन जिमेनेज, उनके बैंड के सभी सदस्य और फोटोग्राफर वेइसमैन मोरा समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई. सभी लोग मेडेलिन में होने वाले एक संगीत कार्यक्रम के लिए जा रहे थे. इस घटना को और भी भावुक बना देने वाली बात यह है कि येइसन जिमेनेज ने हाल ही में एक टीवी इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने तीन बार सपना देखा था कि उनका विमान क्रैश हो जाएगा. ⊙

कोलंबियाई पॉप सिंगर येइसन जिमेनेज़ की 34 साल की उम्र में विमान हादसे में मौत हो गई. (Photo: Instagram/ yeison_jimenez's profile picture yeison_jimene..

वीर पहारिया से ब्रेकअप की खबरों पर तारा सुतारिया बोलीं— खुद को खोना मंज़ूर नहीं

आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज के इंतजार के बीच अभिनेत्री तारा सुतारिया अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया गलियारों में चर्चा है कि तारा और उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि, दोनों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन लंबे समय से दोनों को साथ न देखे जाने के बाद इन अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच, तारा ने एक इंटरव्यू में अपनी मानसिक शांति और आसपास की नेगेटिव एनर्जी से निपटने पर खुलकर बात की है। एले इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में तारा ने अपनी निजी जिंदगी और करियर के बीच संतुलन बनाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अब 'अपनी शांति की रक्षा करना' सीख लिया है। तारा ने साफ किया कि उनके लिए सफलता का मतलब सिर्फ फिल्में नहीं हैं। तारा ने कहा, 'मैंने हमेशा माना है कि सफलता अंदर से आती है। मन की शांति और खुद को जानना ही मेरा लक्ष्य रहा है। मैं खुद को खोने के बजाय एक फिल्म खोना पसंद करूंगी।' तारा ने आगे कहा कि एक एक्टर होने के नाते लोग आपके बारे में कई तरह की बातें करते हैं, लेकिन उन्हें कभी हर किसी को सच्चाई बताने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनके मुताबिक, जब तक उन्हें और उनके करीबियों को सच पता है, तब तक बाकी बातें मायने नहीं रखतीं। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने साल 2025 की शुरुआत में डेटिंग शुरू की थी और अक्सर उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों में एक साथ देखा जाता था। उनके बीच की बॉन्डिंग फैंस को काफी पसंद आती थी, लेकिन अब गलियारों में यह चर्चा तेज है कि तारा और वीर का ब्रेकअप हो गया है। हाल ही में वीर के जन्मदिन (1 फरवरी) और अन्य कई मौकों पर तारा की गैरमौजूदगी ने इन अफवाहों को हवा दी।

लखनऊ की गोमती नदी पर जल्द चलेगा टूरिस्ट क्रूज,

यात्रियों को देगा शानदार अनुभव

लखनऊ में गोमती नदी को पर्यटन के लिए विकसित करने के लिए आलीशान टूरिस्ट क्रूज शुरू किया जाएगा, जो यात्रियों को नदी के किनारों का मनोरम दृश्य और आरामदायक अनुभव देगा।यह सेवा न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण बढ़ाएगी, बल्कि शहर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी।

लखनऊ के पर्यावरण और पर्यटन विभाग ने हाल ही में घोषणा की है कि गोमती नदी को जल्द ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए नदी पर आलीशान टूरिस्ट क्रूज सेवा शुरू करने की योजना बनाई गई है, जो यात्रियों को नदी के किनारों का मनोरम दृश्य और आरामदायक सैर का अनुभव प्रदान करेगी।परियोजना के तहत चलने वाले इस क्रूज पर एक समय में लगभग 200 यात्री सैर कर सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि क्रूज में यात्रियों के लिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था, कैफे, संगीत और मनोरंजन की सुविधाएं होंगी। यह सेवा न केवल लखनऊवासियों के लिए बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगी।गोमती नदी पर पर्यटन को बढ़ावा देने का यह कदम शहर की आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति को भी सशक्त बनाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना से स्थानीय व्यवसायों, होटलों और रेस्टोरेंट्स को भी लाभ मिलेगा, क्योंकि यह क्रूज सेवा शहर में पर्यटक प्रवाह को बढ़ाएगी।पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "गोमती नदी के किनारे की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए हमने यह योजना बनाई है। क्रूज सेवा न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि शहर के सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन में भी नया उत्साह लाएगी। हमारी कोशिश है कि यह सेवा पूरी तरह सुरक्षित, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल हो।"क्रूज में सैर करते समय यात्री नदी के किनारे के ऐतिहासिक स्थलों, घाटों और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा, विशेषज्ञों की टीम ने सुनिश्चित किया है कि क्रूज संचालन के दौरान नदी का पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित रहे। इसके लिए गोमती में नियंत्रित जल निकासी और साफ-सफाई के प्रबंध किए गए हैं।स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि यह परियोजना लखनऊ को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी। शहर में पहले भी नदी पर नौकायन की कुछ सीमित गतिविधियां होती थीं, लेकिन इस नए क्रूज के शुरू होने से यह अनुभव और भी व्यापक और आकर्षक बन जाएगा।विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में ऐसे नदी पर्यटन और क्रूज पर्यटन की मांग बढ़ रही है, और लखनऊ में यह कदम शहर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए आकर्षक बनाएगा। क्रूज सेवा के लिए टिकट बुकिंग और समय-सारणी की जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी अधिकारियों का यह भी कहना है कि इस परियोजना के सफल संचालन से भविष्य में गोमती नदी के अन्य हिस्सों में भी पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है। इसका उद्देश्य न केवल पर्यटन को बढ़ावा देना, बल्कि स्थानीय रोजगार और शहर की आर्थिक गतिविधियों में भी सुधार लाना है।इस प्रकार, लखनऊवासियों और पर्यटकों के लिए यह नया टूरिस्ट क्रूज गोमती नदी पर एक यादगार अनुभव साबित होगा। धीरे-धीरे यह परियोजना शहर की पर्यटन संरचना और सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।।

मेयर ने कहा था लखनऊ में दो लाख बांग्लादेशी और रोहिंग्या-

नहीं मिला एक भी घुसपैठिया

जनवरी 2025 में मेयर सुषमा खर्कवाल ने दावा किया था कि शहर में दो लाख संदिग्ध निवास कर रहे हैं। उनका कहना था कि ये सभी बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं। मेयर ने खुद गोमतीनगर इलाके में जाकर दस्तावेज खंगाले थे। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था के अनुसार, शासन के निर्देश पर राजधानी के पांचों जोन में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया है। अलग-अलग इलाकों में पुलिस टीम ने झुग्गी झोपड़ियों में जाकर छापा मारा था। इस दौरान वहां रहने वाले लोगों से उनका पहचान पत्र मांगा गया था। छानबीन में सामने आया कि झुग्गियों में रहने वाले ज्यादातर लोग असम के हैं। सभी ने वैध कागजात पुलिस को दिखाए हैं, जो सत्यापन में सही पाए गए। अभी तक कोई संदिग्ध या अवैध रूप से रह रहा बांग्लादेशी नहीं मिला है। अभियान जारी है। कोई बांग्लादेशी मिलता है तो आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। बांग्लादेशियों की पहचान के लिए पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया है। खुफिया एजेंसी की भी मदद ली जा रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि असम से आकर काफी लोग लखनऊ में बस गए हैं। इन लोगों ने स्थानीय पते के आधार पर कागजात भी बनवा लिए हैं। कई तो स्थानीय निकाय के मतदाता भी हैं।

पार्षद ममता रावत ने समर्थकों के साथ घेरा थाना, बोलीं- विधायक बेदीराम के खिलाफ FIR दर्ज हो

लखनऊ के भरवारा गंगोत्री विहार इलाके में रविवार को सपा पार्षद ममता रावत ने अपने कई समर्थकों के साथ बीबीडी थाना का घेराव किया और विधायक बेदीराम के खिलाफ तुरंत FIR दर्ज करने की सख्त माँग की। पुलिस प्रशासन पर दबाव बढ़ाते हुए पार्षद ने कहा कि जब तक मुकदमा दर्ज नहीं होगा, वे धरना जारी रखेंगे। पार्षद रावत का आरोप है कि इलाके में एक नाले के निर्माण को लेकर विवाद चल रहा है। स्थानीय लोगों की मांग थी कि नाला बना दिया जाए, लेकिन कथित तौर पर सुभासपा विधायक बेदीराम ने उस जमीन को अपने घर की बाउंड्रीवाल के अंदर कब्जा कर लिया और निर्माण टीम को काम से रोक दिया। आरोप है कि इस दौरान विधायक और उनके बेटे ने लेखपाल व कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया। वहीं, नगर निगम की टीम का कार्य भी विवाद के कारण बाधित हुआ। ममता रावत ने कहा कि उनके प्रतिनिधि और लेखपाल के साथ हुई बातचीत का ऑडियो और वीडियो भी वायरल हो चुका है, जिसमें विधायक द्वारा अभद्र भाषा का उपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यवहार को किसी भी जनता प्रतिनिधि के लिए स्वीकार्य नहीं किया जा सकता। इसलिए अब विधायक बेदीराम के खिलाफ FIR दर्ज करायी जाये और अवैध कब्जे पर सख्त कार्रवाई हो। धरने के दौरान पार्षद ने बीकेडी विधायक योगेश शुक्ला से भी फोन पर बात की, जिसमें विवाद को लेकर आर-पार की बात भी कही गई। समर्थक पार्षद के साथ थाने के बाहर जुटे रहे और पुलिस प्रशासन को संबोधित कर लगातार अपनी मांग दोहराई। इस घटनाक्रम के चलते थाना परिसर में तनाव का माहौल देखा गया और पार्षद ने यह स्पष्ट कर दिया कि कानूनी कार्रवाई न होने तक वे यहाँ से नहीं हटेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह विवाद क्षेत्र के मूल विकास कार्यों और वाद-विवाद को लेकर लंबे समय से चल रहा है, जिसका असर इलाके की जनता पर पड़ रहा है।

लखनऊ- रायबरेली रोड पर सड़क हादसा,

पूर्व मंत्री ने अपनी गाड़ी से घायलों को पहुंचाया अस्पताल

लखनऊ-रायबरेली राजमार्ग पर एक सड़क हादसा हो गया। दो कार आपस में टकरा गईं। घटना के बाद पूर्व मंत्री ने अपने काफिले की कार से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। निगोहां थानाक्षेत्र अंतर्गत उदयपुर गांव के पास आज एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार में फंसे दो घायलों की स्थिति गंभीर थी। गाड़ी में फंसे घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। इसी दौरान टोल प्लाजा स्थित बने मैदान पर आयोजित राज्य महिला वॉलीवाल प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम लौट रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र सिंह ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल अपना काफिला रुकवाया। इसके बाद उन्होंने बिना समय गंवाए काफिले में चल रहे स्कार्ट वाहन से घायल विकास और महिला संगीता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बाद में पूर्व मंत्री भी अस्पताल पहुंचे। गंभीर रूप से घायलों को ट्रामा-2 रिफर किया गया। घायलों का इलाज जारी है।

तेलीबाग में दूध में पानी मिलाने का विरोध करने पर डेरी संचालक और साथियों ने रिटायर्ड फौजी व बेटे पर हमला

लखनऊ। तेलीबाग (पीजीआई) इलाके में दूध में पानी मिलाने का विरोध करने पर सोमवार सुबह एक गंभीर घटना ने अन्जाम पाया, जिसमें डेरी संचालक और उसके साथियों ने रिटायर्ड फौजी ब्रजेश कुमार और उनके बेटे दीपक को लाठी-डंडों व ईंटों से पीट दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार के अनुसार ब्रजेश और उनके बेटे डेरी से नियमित दूध लेते थे, लेकिन कुछ समय से दूध में पानी मिलाने की शिकायतें बढ़ने लगी थीं। कई बार चेतावनी देने के बावजूद दूध की गुणवत्ता नहीं सुधरी, जिसके चलते उन्होंने सुबह फिर विरोध जताया। इसी बात को लेकर डेरी संचालक सानू और उसके साथी पहले गाली-गलौज करने लगे और फिर अचानक लाठी व ईंटों से हमला कर दिया। घटना में ब्रजेश के शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जबकि दीपक की उंगली में फ्रैक्चर (हड्डी टूटने) की पुष्टि हुई है।

लखनऊ में चौराहों पर विवादित पोस्टर, 'मुर्शिदाबाद कूच' का ऐलान किया गया

लखनऊ में कुछ प्रमुख चौराहों पर विवादित पोस्टर दिखाई दिए हैं, जिन पर लिखा गया है 'बंटोगे तो कटोगे' और साथ ही मुर्शिदाबाद कूच का ऐलान भी किया गया है। पोस्टर ने शहर में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है और प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है। पोस्टरों में इस्तेमाल की गई भाषा और संदेश को उकसाव और सामाजिक तनाव बढ़ाने वाला बताया जा रहा है।पुलिस ने मौके पर जाकर तुरंत पोस्टर हटवाना शुरू किया और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि इस मामले की जांच तुरंत शुरू कर दी गई है और जो भी इसके पीछे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के पोस्टर शांति भंग और सामाजिक तनाव बढ़ाने वाले हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। इससे प्रशासन समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर सकेगा।फिलहाल पोस्टर और मुर्शिदाबाद कूच की जिम्मेदारी या पृष्ठभूमि स्पष्ट नहीं हुई है। प्रशासन ने कहा है कि मामले की जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।विशेषज्ञों और नागरिकों का मानना है कि इस प्रकार के संदेशों से समाज में भय और अशांति फैल सकती है, इसलिए प्रशासन को चौकस रहने की जरूरत है। इस बीच, शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और नागरिकों से संयम बरतने की अपील की गई है।

कफ सिरप तस्करी रैकेट में बड़ी कार्रवाई:

शुभम जायसवाल के सहयोगियों सहित पांच आरोपित गिरफ्तार

वाराणसी: उत्तर प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप तस्करी के बड़े रैकेट के खिलाफ जारी जांच में पुलिस ने एक आगामी मोड़ पर पांच आरोपी अमित जायसवाल, दिवेश जायसवाल समेत अन्य को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह कथित तौर पर शुभम जायसवाल के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो अब तक फरार है और पुलिस उसकी तलाश में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एजेंसियों ने पहले ही तीन मुख्य आरोपितों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।यह रैकेट उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों और विदेशों में कोडीन मिलावट वाले सिरप की अवैध आपूर्ति और तस्करी का संचालन करता था, जिससे कथित तौर पर करोड़ों रुपये का काला कारोबार हुआ। शुरुआत में पुलिस ने 89 लाख से अधिक सिरप की बोतलें और रैकेट से जुड़े दर्जनों अदनियों को नामज़द किया, जबकि बड़े पैमाने पर धांधली से लाइसेंस और फर्जी बिलों का इस्तेमाल करके पारंपरिक आपूर्ति चैनलों को धोखा दिया गया था।पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल के खिलाफ लुकआउट नोटिस और कई गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा उस पर और उसके सहयोगियों पर इनाम की राशि भी बढ़ा दी गई, ताकि किसी भी सूचना पर आरोपित की लोकेशन का पता लगाया जा सके। वहीं, गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और उम्मीद है कि इससे नेटवर्क के अन्य बड़े सरगना तक पहुंचने में मदद मिलेगी।इस मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच टीम (SIT) का गठन भी किया है, जो केवल पुलिस जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक लेन-देन, फर्जी कंपनियों और बैंक खातों की जाँच, और तस्करी के अंतर-राज्यीय एवं सीमा पार नेटवर्क की तह तक जाने का काम कर रही है। जांच में पता चला कि यह रैकेट न केवल राज्य के भीतर वितरण करता था, बल्कि नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में भी अवैध रूप से सिरप की सप्लाई करता था।पुलिस और अनुसंधान एजेंसियों ने अब तक ड्रग लाइसेंस के गलत इस्तेमाल, फर्जी कंपनियों की स्थापना, और नकली बिलों के आधार पर अवैध वितरण जैसे मामलों में कई FIR दर्ज की हैं। साथ ही सिरप की लाखों की खेप को जब्त भी किया गया है, जो बाजार की तुलना में कहीं अधिक मात्रा में उपलब्ध था। इससे यह पता चलता है कि बाज़ार की वास्तविक आवश्यकता से कहीं अधिक सिरप की आपूर्ति की जा रही थी, जिसका उपयोग मनोरंजक और नशीले पदार्थों के रूप में किया जाता रहा है। पुलिस का कहना है कि इस तरह के रैकेट को तोड़कर नशे की आपूर्ति पर नियंत्रण लगाने के साथ-साथ कानूनी प्रक्रियाओं का पालन, फार्मास्यूटिकल लाइसेंस की कड़ी निगरानी, और आर्थिक धांधलियों की रोकथाम के लिए भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। जांच अभी चल रही है और आगे भी और गिरफ्तारी तथा संपत्ति जप्ती जैसे कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि पूरे रैकेट को उखाड़ फेंका जा सके। यह गिरोह सिर्फ अवैध व्यापार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इसके पीछे संपन्न नेटवर्क और संगठित क्रिमिनल मॉड्यूल भी सक्रिय था। पुलिस ने बताया कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग शहरों और राज्यों में तैनात थे, जो सिरप की खेप को फर्जी कंपनियों और कोडीन मिलावट वाले बिलों के माध्यम से कानूनी दिखाने का काम करते थे।

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ कर्मचारियों और सप्लायर्स ने रैकेट के संचालन में मदद की, ताकि सिरप को बड़ी मात्रा में अवैध रूप से ट्रांसपोर्ट किया जा सके।गिरफ्तार आरोपितों से पुलिस ने पूछताछ में कई अनजाने बिंदु और फरार सरगना तक पहुंचने के रास्ते खोज निकाले हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही और बड़ी गिरफ्तारी होने की संभावना है, जिससे पूरे रैकेट के अन्य सदस्यों और विदेशी संपर्कों तक पहुंच बनाई जा सके। इस दौरान पुलिस ने कई मोबाइल फोन, बैंक स्टेटमेंट और अन्य वित्तीय दस्तावेज़ जब्त किए हैं, जो रैकेट के आर्थिक लेन-देन की पुष्टि करते हैं। विशेष जांच टीम ने कहा कि इस मामले में अब तक मिले सबूत बताते हैं कि यह रैकेट सिर्फ कोडीन सिरप तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से नकली दवाओं और अन्य नियंत्रित पदार्थों की तस्करी भी की जा रही थी। राज्य प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।स्थानीय लोगों और उपभोक्ताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और कहा कि इससे फार्मास्यूटिकल सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बड़ा लाभ होगा। इस रैकेट की सफलता से स्पष्ट हो गया कि सघन जांच और तेज गिरफ्तारी ही अवैध व्यापार को रोकने का सबसे असरदार तरीका है। पुलिस ने जनता से भी अपील की है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों के बारे में सूचना तुरंत अधिकारियों को दें, ताकि भविष्य में कोई ऐसा गिरोह सक्रिय न हो पाए।इस कार्रवाई से यह भी संदेश जाता है कि कानून व्यवस्था और निगरानी प्रणाली अब किसी भी बड़े तस्करी रैकेट को सहन नहीं करेगी।

सई नदी पर पुल बना, लेकिन एप्रोच रोड न बनने से ग्रामीण परेशान

उन्नाव: हसनगंज तहसील के भोगला गांव से होकर गुजरती सई नदी पर 55 मीटर लंबा पुल अब सफेद हाथी साबित हो रहा है। शासन ने मार्च 2024 तक पुल का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक पुल पर चढ़ने-उतरने के लिए एप्रोच रोड का मिट्टी भरान का काम नहीं हो सका है। इससे ग्रामीणों को दस किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। भोगला गांव से होकर गुजरने वाले लघुसेतु न बनने के कारण आदमपुर बरेठी, सत्ती दीन खेड़ा, फरहदपुर, कुबरी खेड़ा, शेखपुर बुजुर्ग, जसमंडा बब्बन, गिरिवर खेड़ा, असुरन खेड़ा सहित अन्य गांवों के हजारों ग्रामीणों को मोहान-सई नदी मार्ग का उपयोग करना पड़ता है। इससे किसानों को फसल ले जाने, बच्चों को स्कूल जाने और रोजमर्रा के कामकाज में काफी कठिनाई हो रही है।

संदिग्ध हालत में युवक का पेड़ पर फंदे पर शव लटका मिला

उन्नाव:सोहरामऊ थाना क्षेत्र के नोखेलालखेड़ा गांव में रविवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध हालात में घर से करीब सौ मीटर दूर स्थित बाग में पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां घटना को लेकर कोहराम मच गया। मृतक की पहचान गांव निवासी 22 वर्षीय लवकुश कुमार पुत्र सोहनलाल के रूप में हुई है। बताया गया कि लवकुश रविवार सुबह घर से निकला था। कुछ देर बाद खेतों की ओर जा रहे किसानों ने बाग में पेड़ से युवक का शव लटका देखा, जिससे वे दंग रह गए। लंबा इंतजार करना पड़ा। किसानों ने शव की पहचान कर परिजनों व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची सोहरामऊ पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की मां आशा देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक के पिता सोहनलाल ने बताया कि लवकुश पांच बहनों में इकलौता भाई था। सोहरामऊ थाना प्रभारी अरविंद पांडे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक के शराब का लती होने की बात सामने आई है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम ने बकाया गृहकर वसूली अभियान में 19 भवन सील किए, अमीनाबाद में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई

लखनऊ नगर निगम ने गृहकर (Property Tax) बकायेदारों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। निगम की टीम ने शहर के जोन-8 में विशेष निरीक्षण कर कार्रवाई की, जिसमें 19 भवनों को सील किया गया और लगभग 28 लाख रुपये का बकाया पाया गया। इसके अलावा, 11 भवनों से 9.45 लाख रुपये की वसूली भी की गई, जिससे निगम के खजाने में राहत मिली।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान शहर में कर वसूली की दर बढ़ाने और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन भवनों को सील किया गया, वे पहले से ही कई महीनों से गृहकर का भुगतान नहीं कर रहे थे। निगम ने चेतावनी दी कि अगर बकाया समय पर जमा नहीं किया गया, तो ऐसे भवनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई न केवल बकाया वसूली तक सीमित है, बल्कि यह शहर में अनुशासन और व्यवस्था कायम करने की दिशा में भी एक कदम है। निगम ने बताया कि इस अभियान के दौरान सभी संबंधित संपत्ति मालिकों को नोटिस भी जारी किया गया था और उन्हें समय दिया गया था, लेकिन बावजूद इसके कुछ लोग अपने दायित्वों का पालन नहीं कर रहे थे।साथ ही, नगर निगम ने अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई भी तेज की। अमीनाबाद क्षेत्र में जाकर अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया गया और सड़कों को साफ किया गया। अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से यातायात सुगमता बढ़ेगी, शहर की सुरक्षा और साफ-सफाई में सुधार होगा।नगर निगम के आयुक्त ने कहा, “हमारा उद्देश्य सिर्फ़ दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि लोगों में जागरूकता पैदा करना और उन्हें अपने दायित्वों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है। समय पर गृहकर जमा करने से शहर की विकास योजनाओं में योगदान बढ़ता है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं।”विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के अभियान शहरी प्रशासन और नागरिकों के बीच जवाबदेही स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगर निगम ने अपील की है कि सभी संपत्ति मालिक समय पर गृहकर का भुगतान करें और अतिक्रमण मुक्त रहने के नियमों का पालन करें, ताकि भविष्य में ऐसी सख्त कार्रवाई से बचा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी ज़ोन-8 सहित अन्य ज़ोन में नियमों के उल्लंघन और बकाया वसूली के लिए निरंतर अभियान जारी रहेगा। इससे न केवल कर वसूली में सुधार होगा, बल्कि शहर के सामुदायिक और सार्वजनिक क्षेत्रों की स्थिति भी बेहतर होगी।इसके अलावा, निगम ने बताया कि अभियान के दौरान तकनीकी उपकरणों का भी उपयोग किया गया। ड्रोन और GIS मैपिंग तकनीक की मदद से बकाया संपत्तियों की पहचान और उनकी स्थिति का आकलन किया गया। इससे कार्रवाई तेज और प्रभावी हुई।नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे अभियान नियमित अंतराल पर चलाए जाएंगे, ताकि समय पर कर वसूली सुनिश्चित हो सके और शहर में अतिक्रमण की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान सिर्फ़ कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को अपनी ज़िम्मेदारी का एहसास कराने और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने का भी माध्यम है।नगर निगम की इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि लखनऊ शहर में नियम और कानून का पालन सभी के लिए अनिवार्य है, और प्रशासन इसे लागू कराने के लिए सतत प्रयासरत है।

फर्जी GST गिरोह का भंडाफोड़, करोड़ों की टैक्स चोरी में दो गिरफ्तार; सरकार को लगाया 2.66 करोड़ का चूना

कानपुर क्राइम ब्रांच ने फर्जी फर्मों के जरिए 2.66 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी करने वाले कमल गौरव साहू और एतिशाम हुसैन को गिरफ्तार किया है, जो कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अवैध आईटीसी का लाभ ले रहे थे। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने फर्जी जीएसटी गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कमल गौरव साहू और एतिशाम हुसैन को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी फर्जी और अस्तित्वहीन फर्मों के माध्यम से बिना किसी वास्तविक माल की खरीद-फरोख्त के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दुरुपयोग कर सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा रहे थे। प्रारंभिक जांच में करीब 2.66 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का खुलासा हुआ है।पुलिस आयुक्त कानपुर नगर एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त अपराध व अपर पुलिस उपायुक्त अपराध के पर्यवेक्षण में की गई। इस कार्रवाई में राज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कल्याणपुर क्षेत्र में अपूर्वा ट्रेडिंग कंपनी के नाम से फर्जी जीएसटी पंजीकरण का मामला संज्ञान में आया। जांच में सामने आया कि अपूर्वा ट्रेडिंग कंपनी का जीएसटी पंजीकरण कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से कराया गया था। फर्म के घोषित व्यापार स्थल पर कोई वास्तविक व्यावसायिक गतिविधि नहीं पाई गई। स्थानीय लोगों के अनुसार न तो वहां कोई कारोबार संचालित हो रहा था और न ही संबंधित व्यक्ति वहां निवास करता था। फर्म से जुड़ा पंजीकृत मोबाइल नंबर भी बंद मिला। क्राइम ब्रांच की विवेचना में यह स्पष्ट हुआ कि अपूर्वा ट्रेडिंग कम्पनी एक बोगस फर्म थी, जिसके माध्यम से अन्य फर्जी फर्मों को आउटवर्ड सप्लाई दिखाकर फर्जी टैक्स इनवॉइस और ई-वे बिल जनरेट किए गए। वर्ष 2019-20 के दौरान अभियुक्तों द्वारा लगभग 2.54 करोड़ रुपये टैक्स और 12.71 लाख रुपये पेनाल्टी, कुल 2.66 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी की गई। अभियुक्त फर्जी पैन कार्ड, आधार कार्ड, बिजली बिल और किरायानामा जैसे दस्तावेज तैयार कर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्यों में फर्जी जीएसटी फर्मों का पंजीकरण कराते थे। वास्तविक माल की आपूर्ति किए बिना केवल कागजों पर लेन-देन दिखाकर टैक्स इनवॉइस और ई-वे बिल बनाए जाते थे। इससे आईटीसी का अवैध लाभ लिया जाता था। पूरे नेटवर्क का संचालन मास्टरमाइंड द्वारा किया जा रहा था। थाना कल्याणपुर में मुकदमा दर्ज कर डिजिटल साक्ष्य, बैंक खातों, मोबाइल फोन और जीएसटी पोर्टल से जुड़े रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया।

कानपुर देहात: नबीपुर में बुजुर्ग सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल, रास्ते में हुई मौत

कानपुर देहात के नबीपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। स्थानीय 70 वर्षीय बुजुर्ग मुन्नीलाल हाईवे पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें कानपुर के बड़े अस्पताल रेफर किया।हालांकि, मुन्नीलाल को अस्पताल ले जाते समय उनकी रास्ते में ही मौत हो गई। यह हादसा स्थानीय लोगों और राहगीरों के लिए गंभीर चेतावनी बन गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल व्यक्ति के परिजनों को सूचना दी।स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार चालक को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। वाहन की गति अत्यधिक होने के कारण यह हादसा इतना गंभीर हुआ कि बुजुर्ग को बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने कहा कि सभी संभावित सबूत जुटाए जा रहे हैं और शीघ्र ही चालान और मामला दर्ज किया जाएगा।हादसे के समय हाईवे पर ट्रैफिक भी काफी था, जिससे कई राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घटना की भयावहता देखी। स्थानीय निवासी कहते हैं कि यह हाईवे अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के लिए खतरनाक साबित होता है, और कई बार लोग घायल हो चुके हैं। परिजन और ग्रामीण इस हादसे को लेकर आक्रोशित हैं और सड़क पर सुरक्षा के उपाय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

UGC प्रदर्शन के दौरान सुहेल देव आर्मी के 101 कार्यकर्ताओं पर FIR, विधानसभा के गेट पर नारेबाजी का मामला

लखनऊ में सुहेल देव आर्मी के कार्यकर्ताओं ने UGC की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया, लेकिन विधानसभा के गेट पर बैठकर नारेबाजी करने से कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई।इस पर पुलिस ने योगेश पासी और अन्य 100 कार्यकर्ताओं के खिलाफ FIR दर्ज की है।

लखनऊ: में यूजीसी (UGC) को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान सुहेल देव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी और उनके नेतृत्व में लगभग 100 अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई तब हुई जब प्रदर्शनकारी उत्तर प्रदेश विधानसभा के मुख्य गेट पर बैठ गए और जोरदार नारेबाजी करने लगे।पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शनकारी अपने मुद्दों को लेकर आए थे, लेकिन उन्होंने प्रशासन की चेतावनी को नजरअंदाज कर विधानसभा परिसर के गेट पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान काफी देर तक नारेबाजी और आंदोलन जारी रहा, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भी लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई और कानून-व्यवस्था पर असर पड़ा।सूत्रों के अनुसार, सुहेल देव आर्मी के कार्यकर्ता यूजीसी की नीतियों और शिक्षा संस्थानों में असमानताओं के खिलाफ अपनी मांगें प्रशासन के सामने रखना चाहते थे। हालांकि, पुलिस ने इसे अवैध विरोध और सार्वजनिक स्थलों पर संपत्ति और सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए तुरंत एफआईआर दर्ज की।यूपी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "प्रदर्शन का अधिकार संविधान द्वारा सुरक्षित है, लेकिन इसे कानून के दायरे में रहकर ही करना चाहिए। विधानसभा परिसर में बैठकर विरोध करना अवैध है, इसलिए कार्रवाई की गई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और यदि प्रदर्शनकारी प्रशासन की चेतावनी नहीं मानते हैं, तो उन पर और सख्त कार्रवाई की जा सकती है।"इस घटना के बाद विधानसभा और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने अतिरिक्त फोर्स तैनात किया और आसपास के मार्गों को नियंत्रित कर लोगों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी विरोध प्रदर्शन में भविष्य में इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।राजनीतिक और सामाजिक विश्लेषकों का कहना है कि यूजीसी जैसे शिक्षा मामलों पर विरोध प्रदर्शन आम तौर पर छात्रों और सामाजिक संगठनों द्वारा किया जाता है। लेकिन जब यह सरकारी परिसरों के अंदर या उनके गेट पर जाकर किया जाता है, तो इसे कानून और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के रूप में देखा जाता है। सुहेल देव आर्मी की ओर से अभी तक इस FIR पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, संगठन के कार्यकर्ता सोशल मीडिया और स्थानीय माध्यमों के जरिए अपने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण और जायज बताते हुए अपना पक्ष रख सकते हैं।इस मामले ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि शिक्षा और यूजीसी से जुड़े मुद्दों को कैसे लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से उठाया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में ऐसे विरोध प्रदर्शन के लिए प्रशासन और संगठनों के बीच बेहतर संवाद की आवश्यकता है, ताकि कानून की सीमा के भीतर रहकर ही अपने मुद्दों को उठाया जा सके।विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में ऐसे विरोध प्रदर्शन के लिए प्रशासन और संगठनों के बीच बेहतर संवाद की आवश्यकता है, ताकि कानून की सीमा के भीतर रहकर ही अपने मुद्दों को उठाया जा सके।इस बीच, स्थानीय लोगों ने भी प्रदर्शन और नारेबाजी से उत्पन्न असुविधा पर नाराजगी जताई है। प्रशासन ने उन्हें आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

होटल में संदिग्ध हालत में मिला सिविल इंजीनियर का शव, कमरे से शराब की बोतलें बरामद

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक होटल के कमरे से संदिग्ध परिस्थितियों में एक सिविल इंजीनियर का शव मंगलवार को बरामद किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार ने पीटीआई-को बताया कि जिले के थाना सदर बाजार क्षेत्र के अंतर्गत स्थित एक होटल के कमरे में गौरव सक्सेना (47) नामक व्यक्ति का शव आज सुबह उनके कमरे से बरामद हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गौरव सक्सेना उत्तराखंड के ऋषिकेश के रहने वाले थे और उनका ससुराल शाहजहांपुर में है तथा वह सिविल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।पुलिस के मुताबिक गौरव ने रविवार को होटल में कमरा किरायेपर लिया था और तब से यहीं पर रुके हुए थे। पुलिस ने उनके कमरे में शराब की कुछ बोतल भी बरामद की है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार सुबह तक उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला और कोई ऑर्डर नहीं दिया गया, तो होटल मैनेजर को शक हुआ। बार-बार घंटी बजाने और आवाज देने पर भी जवाब न मिलने पर मास्टर चाबी से दरवाजा खोला गया, जहाँ गौरव बिस्तर पर अचेत पाए गए।

पूर्वोत्तर रेलवे प्रस्तावित कर रही गोरखपुर–प्रयागराज वन डे ट्रेन, यात्रियों को मिलेगी सुगम यात्रा

यात्रियों की सुविधा को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर और प्रयागराज के बीच वन डे ट्रेन (One Day Train) चलाने की योजना पर काम कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, इस नई सेवा के शुरू होने से यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने में आसानी होगी और यात्रा भी सुगम और आरामदायक हो जाएगी।रेलवे अधिकारियों के बीच इस प्रस्ताव पर मंथन और चर्चा जारी है। अधिकारियों का कहना है कि गोरखपुर और प्रयागराज के बीच यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर टिकट की कमी और लंबी यात्रा के कारण परेशानी होती है। इस नई वन डे ट्रेन सेवा से यात्रियों की समस्याओं को काफी हद तक हल किया जा सकेगा।सूत्रों के अनुसार, योजना के अनुसार ट्रेन सभी प्रमुख स्टेशनों पर समय पर रुकते हुए, दिन भर में गोरखपुर से प्रयागराज और वापसी करेगी। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलेगा और लंबी दूरी की यात्रा अधिक आरामदायक होगी।रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि योजना के लागू होने के लिए रूट, टाइम टेबल और ट्रेन संख्या को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जल्द ही यात्रियों को इस सेवा के बारे में आधिकारिक जानकारी मिल सकती है।विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की वन डे ट्रेन सेवाएं न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाती हैं, बल्कि रेलवे के लिए राजस्व में भी इजाफा करती हैं। इसके अलावा, इससे दैनिक यात्रियों और तीर्थयात्रियों के लिए विकल्प बढ़ेंगे और यात्रा का दबाव भी कम होगा। पूर्वोत्तर रेलवे ने कहा कि इस योजना के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ट्रेन सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक हो। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि जैसे ही ट्रेन सेवा की घोषणा होगी, वे समय पर टिकट बुकिंग करें ताकि उन्हें सुविधा मिले।

अलीगढ़ में युवक का अपहरण, शलड़की को भगा ले जाने का बदला?

पुलिस ने अपहरण के महज पांच घंटे के भीतर एक युवक को सकुशल बरामद कर लिया. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के गोंडा थाना क्षेत्र में युवक संजय कुमार का अपहरण किया गया था. पुलिस के मुताबिक, संजय कुमार एक युवती के साथ घर से भाग गया था. इससे नाराज होकर लड़की के पिता और भाई ने प्लान बनाकर अपहरण किया और उसे मारने की तैयारी कर रहे थे. सूचना मिलते ही पुलिस ने पूरे इलाके में नाकाबंदी की, जगह-जगह चेकिंग शुरू की. अलग-अलग टीमों ने दबिश दी. ग्रामीण एसपी अमृत जैन ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे अपहरण की सूचना मिली थी. त्वरित कार्रवाई से युवक को सुरक्षित बचा लिया गया. पुलिस ने अपहरण के सिर्फ पांच घंटे के भीतर युवक को ढूंढ निकाला और इस मामले में लड़की के पिता और भाई को गिरफ्तार कर लिया. ग्रामीण एसपी अमृत जैन ने बताया कि पुलिस ने हत्या की नीयत से किए गए अपहरण के मामले को तेजी से सुलझाया. युवक को महज पांच घंटे में सुरक्षित बरामद कर लिया. शुरुआती पूछताछ में पता चला कि कुछ दिन पहले युवक आरोपी परिवार की लड़की के साथ भाग गया था, जिसको लेकर केस दर्ज था. इसी रंजिश में लड़की के पिता और भाई ने अपहरण की साजिश रची. पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बुलेट बाइक भी जब्त कर ली है. मामले की आगे जांच जारी है.